



## कौशल विकास में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की ऐतिहासिक भूमिका: 1976 से वर्तमान तक पिथौरागढ़ जिले के विशेष संदर्भ में

शिखा पाण्डेय<sup>1</sup>, रितेश जोशी<sup>2</sup>

<sup>1</sup> असिस्टेंट प्रोफेसर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बागेश्वर।

<sup>2</sup> राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़।

### ABSTRACT

किसी भी राष्ट्र या राज्य की उन्नति में कौशल विकास की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। प्राचीन भारतीय समय से ही कौशल युक्त हाथों को समाज में उच्च स्थान दिया गया है। सर्वशक्तियों से परिपूर्ण देवताओं के होते हुए भी सनातन समाज में चाहे वह प्रतीकात्मक रूप में ही क्यों ना हो ईश्वरीय वर्ग में देव शिल्पी विश्वकर्मा एवं दैत्य वर्ग में शिल्पी मय का निरूपण किया गया है, जो उच्च कौशल से युक्त चरित्र की महत्ता को प्रदर्शित करते हैं। वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या जहाँ एक ओर एक अरब पच्चीस करोड़ को पार कर चुकी है तो वहीं दूसरी ओर इतनी बड़ी जनसंख्या में युवक- युवतियों को रोजगार प्रदान करना भी भारत सरकार और राज्य सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में समस्या बनकर उभर रहा है। रोजगार के लिए पढ़ाई के साथ-साथ उनके हाथों को भी प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है वो भी कम समय में। इसी समस्या से निपटने एवं कम समय में उच्च गुणवत्ता के साथ नौजवानों को प्रशिक्षित करने के लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सम्पूर्ण भारत के साथ ही उत्तराखण्ड में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं।

**KEYWORDS:** आईटीआई, द्वितीय विश्वयुद्ध, एन0सी0वी0टी0, एस0सी0वी0टी0, पिथौरागढ़, डी0जी0टी0

### INTRODUCTION

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति और भारत की आजादी के अंतिम वर्षों में वर्ष 1950 में प्रशिक्षण महानिदेशालय भारत सरकार द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के द्वारा वर्तमान कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की नींव रखी गयी। प्रारंभ में यह योजना द्वितीय विश्वयुद्ध के हताहत व्यक्तियों को कम समय में प्रशिक्षित कर रोजगार प्रदान करने एवं उन्हें प्रशिक्षित श्रमिक बनाने के लिए प्रारंभ की गयी थी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कम शिक्षित होते हुए भी नौजवानों को प्रशिक्षित होकर स्वरोजगार एवं उद्योगों की स्थापना के माध्यम से गरिमायी जीवनयापन का अवसर प्राप्त हो रहा है। 24 फरवरी 1960 को चीन के आक्रामक रुख को देखते हुए सीमांत को सुरक्षित एवं स्थानीय निवासियों में सुरक्षा का भाव एवं उन्हें सीमाओं पर सजग प्रहरी की भूमिका प्रदान करने के लिए हिल डेवलेपमेंट के नाम पर पिथौरागढ़, चमोली एवं उत्तरकाशी जनपदों को प्रशासनिक आधार पर गठित किया गया। पिथौरागढ़ जनपद (29.5829° N, 80.2182° E) चीन और नेपाल की सीमाओं से लगा हुआ उत्तराखण्ड राज्य का एक जिला है, जो अपनी भौगोलिक विषमताओं के साथ ही अपने प्राकृतिक अनुपम सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है।

पिथौरागढ़ जनपद में स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना वर्ष 1976 में हुई। प्रारंभ में नगर के घंटाकरण के समीप इसका संचालन किया गया, जिसके अवशेष वर्तमान समय में भी गंगोत्री गर्बाल राजकीय बालिका विद्यालय के पास देखे जा सकते हैं, जिसमें हाल ही के वर्षों तक महिला कक्षाओं का संचालन सुचारु ढंग से किया जाता था।

वर्तमान समय में संचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ नगर के सिल्पाटा ग्राम में स्थित है। जो विश्व बैंक/यू0के0डब्ल्यू0डी0पी0 द्वारा आच्छादित परियोजनाओं के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।



(वर्ष 2022 से पूर्व एवं वर्तमान में प्रयोग में लायी जाने वाली मुख्य ईमारत)

वर्ष 1976 से ही पिथौरागढ़ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा विभिन्न संचालित व्यवसायों (ट्रेड) के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने हेतु नौजवानों को पूर्णतः प्रशिक्षित करने का सतत प्रयास किया जा रहा है। पिथौरागढ़ के संचालित संस्थान में द्विवर्षीय एन0सी0वी0टी0 प्रशिक्षण एवं एक वर्षीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इससे पूर्व जनपद में राज्य स्तरीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से भी विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षित श्रमिक वर्ग का निर्माण किया जा रहा था, जो वर्तमान में राज्य सरकार के आदेशानुसार असंचालित कर दिये गये हैं। वर्तमान समय में केवल राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् से मान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का संचालन ही किया जा रहा है। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण 9 नवंबर 2000 से पूर्व पिथौरागढ़ जनपद में संचालित कुछ प्रमुख राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान निम्नवत् हैं।

क्र0	संस्थान	स्थापना वर्ष	संचालन वर्ष
1	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ (NCVT)	1976	1976
2	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मुनस्यारी (NCVT)	1986	1986
3	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अस्कोट (NCVT)	1976	1976
4	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गंगोलीहाट (NCVT)	1986	1986



(राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ में प्रशिक्षण प्राप्त करती महिलायें)

उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के बाद अन्य विकास कार्यों के साथ ही जनपद पिथौरागढ़ में भी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका में उत्तरोत्तर विकास होता रहा और इनकी संख्या में एक गुणात्मक वृद्धि देखने में आई। 9 नवंबर 2000 के बाद निर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान निम्न है।

क्र०	संस्थान	स्थापना वर्ष	संचालन वर्ष
1	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान थल (SCVT)	2006	2011
2	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राईआगर (NCVT)	2006	2012
3	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जौरासी (NCVT)	2010	2011
4	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बड़ाबे (NCVT)	2011	2014
5	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पांखू (NCVT)	2013	2014
6	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जाखपुरान (NCVT)	2014	2014
7	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनकोट (SCVT)	2014	2014
8	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मढ़मानले (SCVT)	2014	2014
9	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गौड़ीहाट (SCVT)	2011	2014
10	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरना (SCVT)	2014	2014

राज्य गठन के प्रारंभिक वर्षों में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में लगातार वृद्धि देखने को मिलती है, किंतु कुछ ही समय पश्चात वर्ष 2017 से एस0सी0वी0टी0 संचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को व्यवसायों के आधुनिक समय के अनुसार अद्यतन ना किये जाने के कारण सुचारु रूप से नहीं चलाया जा सका। वर्तमान समय के अनुरूप व्यवसायों (ट्रेडों) का अभाव इसके पिछड़ने का महत्वपूर्ण कारण बना जिस कारण संचालित एस0सी0वी0टी0 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को एक राज्य स्तरीय आदेश के द्वारा अग्रिम आदेश तक के लिए असंचालित कर दिया गया है।

कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए जनपद पिथौरागढ़ के राजकीय औद्योगिक संस्थानों द्वारा विभिन्न संचालित व्यवसायों के साथ रोजगार परक मेलों एवं संस्थान स्तर पर समय-समय पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके एवं प्रशिक्षण के अंतिम चरण में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों हेतु संस्थान स्तर पर ही विभिन्न कंपनियों के माध्यम से साक्षात्कार या परीक्षा के द्वारा योग्य उम्मीदवारों को रोजगार प्राप्त करने के साधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ में संचालित प्रमुख व्यवसाय निम्नप्रकार से हैं जो मुख्यतः अभियांत्रिकी और इतर

अभियांत्रिकी में विभक्त हैं।

क्र०	व्यवसाय	शाखा
1.	इलैक्ट्रीशियन (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
2.	फिटर (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
3.	आ0एस0सी0 (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
4.	मोटर मैकेनिक व्हीकल (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
5.	इलैक्ट्रॉनिक्स (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
6.	मशीनिस्ट (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
7.	वायरमैन (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
8.	वैल्डर (एक वर्षीय प्रशिक्षण)	अभियांत्रिकी
9.	ड्राफ्ट्समैन सिविल (द्विवर्षीय प्रशिक्षण)	इतर अभियांत्रिकी
10.	आशुलिपि हिन्दी (एक वर्षीय प्रशिक्षण)	इतर अभियांत्रिकी
11.	स्टैनोग्राफर (एक वर्षीय प्रशिक्षण)	इतर अभियांत्रिकी
12.	कटिंग स्वीडिंग (एक वर्षीय प्रशिक्षण)	इतर अभियांत्रिकी

वर्तमान में उक्त संचालित व्यवसायों के माध्यम से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ द्वारा प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। व्यवसाय आई0सी0टी0एस0एम एवं कटिंग स्वीडिंग के माध्यम से विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का मंच प्रदान कर समस्त प्रशिक्षार्थियों को रोजगार प्राप्त करने हेतु योग्य बनाया जा रहा है।

#### सुझाव

- पहाड़ी एवं सीमांत जिला होने के कारण पिथौरागढ़ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के साथ ही अन्य संस्थानों को भी राजकीय अनुदान के साथ सी0एस0आर0 कोष के द्वारा अनुदान प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।
- वर्तमान समय के अनुसार प्रचलित लघु उद्योगों व रोजगार परक व्यवसायों को चलाया जाना चाहिए।
- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला प्रशिक्षुओं की संख्या को कटिंग स्वीडिंग के साथ ही अन्य व्यवसायों में भी बढ़ाने की आवश्यकता है।
- प्रशिक्षार्थियों को समय-समय पर औद्योगिक क्षेत्रों में ले जाकर जमीनी कार्य दिखाने की आवश्यकता है।
- प्रशिक्षार्थियों को अपने व्यवसाय में निपुण बनाने हेतु अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

#### संदर्भ

- पंत, पदमादत्त, सोर की लोक थात, प्रकाशन, नवोदय पर्वतीय कला केन्द्र, 2010।
- जोशी, डा0 आशा, पिथौरागढ़ जनपद का इतिहास, प्रथम संस्करण 2005।
- शार्की, मीना, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ एवं विभिन्न संस्थानों में सेवा दे चुकी है, के साक्षात्कार पर आधारित।
- विवरण पुस्तिका, व्यावसायिक परिशद उत्तराखण्ड, शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 01 अगस्त 2018।
- <https://web.archive.org/web/20190111131508/http://www.dget.nic.in/content/innerpage/overview-cts.php>
- चंद, ललित, प्रशिक्षण अधिकारी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़, से साक्षात्कार पर आधारित।
- जोशी, जीवन चन्द्र, प्रभारी प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ से साक्षात्कार पर आधारित।
- पाण्डेय, मुकेश, लेखाधिकारी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राईआगर से साक्षात्कार पर आधारित।
- जोशी, किशन, भट्ट, बसंत कार्मिक राजकीय औद्योगिक संस्थान पिथौरागढ़ से साक्षात्कार पर आधारित।